**नाम – खुशी पाण्डेय**

**मो0नं0 – 9651816348**

# सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

**रूपरेखा–**

**1. प्रस्तावना 2. युवाओं की भागीदारी का महत्व 3. युवाओं पर आर्थिक और सामाजिक विकास की निर्भरता 4. युवा देश के भविष्य 5. उपसंहार**

**प्रस्तावना–**

किसी भी देश की सामाजिक और आर्थिक निर्भर करती है। जिस देश के युवा पीढ़ी जितने हो शिक्षित और जागरूक होगे। उस देश का विकास सुगमता और आसानी से होगा। निसंदेह कहा जा सकता है कि युवा पीढ़ी के विकास से ही एक विकसित राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है।

**युवाओं की भागीदारी का महत्व–**

किसी भी राष्ट्र की उन्नति में युवाओं की काफी भागीदारी होती है, और उसके अधिक महत्व भी होता है। युवाओं के जवन को सुधारना मतलब आने वाले देश के भविष्य को सुधारना है।

युवाओं के जीवन को सुधारने के लिए उनके जीवन को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में बूढ़े–बुजुर्गों की अपेक्षा युवाओं की संख्या अधिक है। युवाओं को अनैतिकता के मार्ग और बुरे व्यवसन से बचाकर ही हम आने वाले पीढ़भ को सुधार सकते है। आज जो भी अभियान और अधिनियम चलाए जा रहे हैं उसमें युवाओं की काफी भूमिका होती है। आज के युवा पीढ़ी विभिन्न क्षेत्रों में जैसे– चकित्सा, इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक, खेल, अध्यापक और अधिकारी के रूप में जितने विकास के रास्ते है वे युवाओं के बिना सम्भव नहीं है। एक बेहतर भविष्य बनाना सरकार की एक अहम मुहिम है। वह देश तभी समृद्ध और शकितशाली होगा जब उसके आने वाली युवा पीढ़ी शिक्षित, जागरूक और सशक्त होगी।

युवाओं पर आर्थिक और सामाजिक विकास की निर्भरता– देश की सामाजिक और आर्थिक उन्नति वहां के युवा पर निर्भर करती है। वो देश अधिक उन्नति करेगा। जिसकी जनसंख्या में युवा जितने ही जागरूक होगे। सामाजिक क्षेत्र जैसे– विधायक, सरपंच, मुख्यमंत्री आदि जैसे पदवी को अपने अच्छे विकचार से सुशोभितकरके देश में फैले भ्रष्टाचार और अनैतिकता को समाप्त कर पायेंगे। उनमें जागरूकता आने से और शिक्षित, सशक्त होने से वे कभी अंधविश्वास, भ्रष्टाचार और अपने देश के साथ गद्दारी नहीं करेगे। आर्थिक क्षेत्र जैसे– अर्थ

व्यवस्था में हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनायेंगे और वाणिज्य के क्षेत्र में भी काफी भूमिका निभायेंगे। जिससे आने वाले विदेशी निवेश में वृद्धि होगी। इस अच्छी सोच होने से कभी अर्थ व्यवस्था में घोटाले जैसे समस्याऐं नही होंगी। सिर्फ जागरूक होने से ही नहीं सतत् विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हो पायेगी, बल्कि उनमें निस्वार्थ, बिना किसी लालच के जब वे देश की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

**युवा देश के भविष्य–**

युवाओं को देश का भविष्य मान कर हमारे कुछ मनीषियों ने युवाओं पर काफी ध्यान दिया है जैसे कि डॉ अब्दुल कलाम जिनका पूरा नाम डॉ अब्दुल पाकिर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम और स्वामी विवेकानंद दयानंद सरस्वती आज इन मनीषियों ने युवा को देश का भविष्य मानकर उनकी तरफ काफी ध्यान दिया था वह युवाओं को ही ज्यादा प्रेरित करते थे शिक्षित और जागरूक होने के लिए डॉक्टर कलाम ने अपने कुछ रचनाओं में युवाओं के बारे में ही लिखा है उनका मानना था कि युवा आने वाले भारत के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद ने युवाओं की शिक्षा पर काफी जोर दिया और उन्हें आधुनिक जिला सीतापुर ना ध्यान देकर नियम के लिए प्रेरित किया एक सशक्त राष्ट्र का स्वपन सभी साकार होगा जब युवा पीढ़ी अपने निष्काम सेवा को राष्ट्र को समर्पित करेगी हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या और आवश्यकताओं को युवाओं के माध्यम से ही संतुलन में लाया जा सकता है।

**<u>उपसंहार–</u>**

उपरोक्त विवरण अनुसार यह कहा जा सकता है कि जितनी मूलभूत आवश्यकता किसी राष्ट्र के लिए खाद्यान्न की होती है उतनी ही आवश्यकता होती है वहां के युवा पीढ़ी को सशक्त बनाना हाल ही में वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता और अन्य खेल के क्षेत्र में युवाओं ने देश का नाम रोशन कर के देश को गौरवान्वित किया है जैसे वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने भारत को गोल्ड मेडल दिला कर भारत का मस्तक ऊंचा किया है देश की युवा को सुधारना ही अहम भूमिका है।